।। ॐ ।। श्रीः ।। ॐ ।।

।। दीपावली-अभिनन्दनम् ।। Diwali Greetings

।। रात्री नो रात्वृक्षांस्त्मनस्त्मनोऽग्रेः
शिखा दीपेषु मृण्मय-तनूनाम् ।
तमो ज्योतिर्भून्मनोर्नक्तं नक्तं
मोदान्दाद् द्यौरमृतत्व उत्तमे ।।

।। अनवरत-दात्री मां रात्री मृत्तिकामय दीप-शरीरों में
आत्म-तारिकाओं को प्रदीप्त करे ।
मानवका प्रत्येक अन्धकार प्रति रात्रि ज्योति हो जाया करे
वह प्रकाशमय द्युलोकके आनन्द सर्वोच्च अमृतत्वमें हमें प्राप्त कराये ।।

May the ever-giving Mother Night grant us her stars
that burn as flames of souls in our clay bodies.
May each darkness of the human being turn
into light every night
May She confer upon us the frolicsome joys
of the light-filled immortal realms.

Swami Veda Bharati
स्वामी वेद भारती